

श्रीमद् भागवत कथा में मना श्री कृष्ण जन्मोत्सव प्रत्येक मनुष्य में परमात्मा का वास

खुलासा फर्स्ट... इंदौर | प्रत्येक मनुष्य में परमात्मा का वास होता है। भारतीय संस्कृति में प्रत्येक दिन माता-पिता को चरण स्पर्श किया जाता है। संस्कृति का पालन जरूर करना चाहिए, प्रत्येक दिन मित्राचार है। हर दिन तुलसी पूजन करना चाहिए। जो जीवन में धर्म संस्कृति से कट जाता है उसका कभी कल्याण नहीं होता। अपने बच्चों को अच्छे संस्कार दें, उन्हें संस्कारित करें, बच्चों को सत्संग में जरूर लेकर जाएं, जो अपने कुल, शास्त्रों से दूर हो रहे हैं उन्हें इन सभी की जानकारी होना ही चाहिए।

उक्त विचार ब्रजरत्न वंदना श्रीजी ने रसोमा चौराहा स्थित आनंदम क्लब एंड रिसॉर्ट में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा के चौथे दिन कही। उन्होंने कहा कि जीवन में भगवान का स्मरण करके हर कार्य की शुरुआत करना चाहिए।



नंद के आनंद भयो जय कन्हैयालाल की...

आयोजन प्रमुख गणेश गोयल और राज दीक्षित ने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। प्रभु श्री कृष्ण के जयघोष के साथ हाथी-घोड़ा पालकी, जय कन्हैयालाल की..., नंद के आनंद भयो जय कन्हैयालाल की... की गूंज से पूरा परिसर गूंज उठा। प्रभु को तिलक करके माखन-मिश्री का

भोग लगाया। कथा में वंदना श्रीजी ने विभिन्न प्रसंगों का वर्णन किया। कथा में भगवान की लीलाओं का कलाकारों ने मनमोहक नाट्य मंचन भी किया। व्यासपीठ का पूजन और आरती विधायक रमेश मेंदोला, आईडीए उपाध्यक्ष गोलू शुक्ला, गणेश गोयल, राज दीक्षित, सरोज चौहान, बालमुकुंद सोनी, कालू गगोरे ने किया।